एम.ए. हिन्दी साहित्य

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम के अन्तर्गत दस प्रश्न–पत्र होंगे, जो 100–100 अंकों के होंगे। प्रत्येक प्रश्न–पत्र में 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन के तथा 75 अंक सैद्धान्तिक मूल्यांकन के होंगे।

एम.ए.(पूर्वार्द्ध) हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न–पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास

(प्राचीन एवं मध्यकाल)

पाठ्य विषय : पाँच इकाइयों में विभक्त होगा – 100 अंक

इकाई – I

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, इतिहास दर्शन, स्रोत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।

हिन्दी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन, सीमा निर्धारण और नामकरण, आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ साहित्य, रासोकाव्य, लौकिक साहित्य, जैन साहित्य।

आदिकाल की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, काव्य धाराएँ, गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ।

इकाई – II

भक्ति अन्दोलन के उदय के सामाजिक सांस्कृतिक कारण, विभिन्न काव्य धाराएँ तथा उनका वैशिष्ट्य।

भक्तिकाल : स्वरूप और भेद–निर्गुण और सगुण का संबंध – साम्य और वैषम्य।

निर्गुण भक्ति : वैचारिक आधार, प्रमुख निर्गुण संत कवि – कबीर, नानक, दादू, रैदास। निर्गुण काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, निर्गुण काव्य की सामाजिक चेतना।

भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्य ग्रन्थ, सूफी प्रेमाख्यानकों का स्वरूप, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोकजीवन के तत्त्व।

इकाई – III

कृष्ण काव्य : अष्टछाप और वल्लभ सम्प्रदाय, गीत परम्परा और हिन्दी कृष्ण काव्य। प्रमुख कवि – सूरदास, मीरा, रसखान। वल्लभाचार्य का योगदान।

रामकाव्य : राम कथा और तुलसीदास, तुलसीदास की प्रमुख कृतियाँ और मध्ययुग के संतों का सामान्य विश्वास, प्रेम ही परम पुरुषार्थ, गुरु का महत्त्व, नाम माहात्म्य, आत्मसमर्पण।

भक्तीतर काव्य, भक्तिकालीन गद्य साहित्य।

भक्ति आन्दोलन का महत्त्व, भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप, लौकिकता, धार्मिक समन्वय, पाखण्ड निषेध, जीवन का साहित्य।

इकाई – IV

रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल सीमा और नामकरण, रीतिकाल के मूल स्रोत, दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रन्थों की परम्परा, कवि समय और कवि प्रसिद्धि।

ऐहिकतापरक काव्य का आविर्भाव, सतसई परम्परा, आभीर गणों के साथ संबंध।

इकाई – V

रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ : रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ।

रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व, रीतिकाव्य में लोक जीवन, मध्यकालीन काव्य में मुसलमान कवियों का योगदान।

रीतिकाल का महत्त्व, रीतिकालीन गद्य एवं अन्य साहित्य।

प्रथम प्रश्न–पत्र

सहायक ग्रन्थ –

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचन्द्र शुक्ल

   नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

2. हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी

   राजकमल प्रकाशन, 1, बी, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली – 110002

3. हिन्दी साहित्य का इतिहास, सं. – डॉ. नगेन्द्र

   मयूर पेपर बैक्स, ए–95, सेक्टर–5, नोएडा – 201301

4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह

   राधाकृष्ण प्रकाशन, 2/38 अंसारी मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली – 110002

5. हिन्दी साहित्य : स्वरूप एवं संवेदना – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी

   लोक भारती, 15 ए, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद–1

6. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सामान्य परिचय – विश्वनाथ त्रिपाठी,

   एन.सी.ई.आर.टी., श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली–110016

7. हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास – हजारी प्रसाद द्विवेदी

   राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

8. इतिहास और आलोचना – नामवर सिंह

   राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

9. परम्परा और मूल्यांकन – रामविलास शर्मा

   राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

10. हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास – डॉ. लक्ष्मीलाल वैरागी

    संघी प्रकाशन, सी–177, महावीर मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर–302017